सं.16015/1/2022-पीएमआई
भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग
*****

शास्त्री भवन, नई दिल्ली
दिनांक: 30th सितंबर, 2024

कार्यालय ज्ञापन

विषय: मंत्रिमंडल के लिए माह अगस्त 2024 के मासिक सार के संबंध में।

अधोहस्ताक्षरी को उर्वरक विभाग का माह **अगस्त**, 2024 का मासिक सार एतदद्वारा सूचनार्थ परिचालित करने का निदेश हुआ है।

इसे सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से जारी किया जाता है।

अशोक कु० सिंह 30/09/24
(अशोक कुमार सिंह)
सहायक निदेशक (पीएमआई)
दूरभाष: 011-23389578

सेवा में

1. मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य

प्रतिलिपि:

1. भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों के सचिव।
2. निदेशक, मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली-110004
3. सचिव (उर्वरक) के वरिष्ठ प्रधान निजी सचिव।
4. अनुभाग अधिकारी (आईटी) को उर्वरक विभाग की वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए।

विषय: उर्वरक विभाग का माह अगस्त, 2024 का मासिक सार।

1. माह के दौरान समग्र उत्पादन निष्पादन:

(आंकड़े 'लाख मी.टन' में)

उत्पाद का नाम	माह के दौरान उत्पादन	इस माह तक संचयी उत्पादन
यूरिया	26.21	128.37
डीएपी	4.03	17.76
अमोनियम सल्फेट (ए/एस)	0.61	2.57
मिश्रित उर्वरक	9.51	44.53
सिंगल सुपर फॉस्फेट	4.08	21.38

स्रोत: dbtfert.nic.in 05.09.2024 की स्थिति के अनुसार

2. माह के दौरान उर्वरकों की आकलित आवश्यकता, उपलब्धता और बिक्री:

(आंकड़े 'लाख मी.टन' में)

उत्पाद का नाम	आकलित आवश्यकता	उपलब्धता	बिक्री
यूरिया	35.17	114.67	49.36
डीएपी	9.69	22.65	8.72
एमओपी	1.81	9.65	2.08
एनपीके	13.58	59.66	18.06

आंकड़ों का स्रोत डैशबोर्ड है।

3. माह के दौरान आयातित तैयार उर्वरकों का ब्यौरा:

उत्पाद का नाम	मात्रा 'लाख मी.टन' में
यूरिया	3.39
कृषि उपयोग हेतु एमओपी	1.19
डीएपी	1.22
एनपीके	0.00

4. अगस्त, 2024 के दौरान तालचेर उर्वरक परियोजना की वृद्धिशील प्रगति:

(क) <u>तालचेर इकाई को पुनर्जीवित करना:</u>

भारत सरकार ओडिशा के अंगुल जिले में स्थित मेसर्स एफसीआईएल की तालचेर इकाई को पुनर्जीवित करने के लिए अधिदेशित है। तदनुसार,12.7 एलएमटीपीए क्षमता के कोयला गैसीकरण-आधारित अमोनिया यूरिया संयंत्र की स्थापना के लिए तालचेर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (टीएफएल) नामक एक संयुक्त उद्यम कंपनी निगमित की गई है, जो भारत में अपनी तरह की पहली है। इस संयंत्र की आधारशिला माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 17 फरवरी, 2019 को रखी गई थी। टीएफएल में गेल, आरसीएफ और सीआईएल प्रत्येक की साम्या 31.85% है और एफसीआईएल की साम्या 4.45% है। सीसीईए ने दिनांक 21.02.2024 को आयोजित बैठक में टीएफएल परियोजना में आरसीएफ द्वारा 2169.67 करोड़ रुपए (±10%) के कुल संशोधित साम्या निवेश को अनुमोदित किया। 8400 करोड़ रुपये का एलएसटीके अनुबंध (कोयला गैसीकरण और अमोनिया यूरिया पैकेज) वुहान इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डब्ल्यूईसीएल), चीन को प्रदान किया गया और ओएसबीएल (आउट्साइड बैटरी लिमिट) पैकेज के लिए 4850 रुपये की राशि भारत में विभिन्न संविदाकारों को प्रदान की गई है।

(ख). माह अगस्त, 2024 के दौरान टीएफएल संयंत्र के प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां निम्नलिखित हैं :-

I. परियोजना की समग्र प्रगति:

31 जुलाई, 2024 तक 62.33% की तुलना में 31 अगस्त, 2024 तक परियोजना की समग्र प्रगति 62.88% है। मेसर्स डब्ल्यूईसीएल पैकेजों की प्रगति का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

i. कोयला गैसीकरण - 59.03% (अगस्त, 2024 महीने के दौरान % वृद्धि 0.22% है)
ii. अमोनिया यूरिया - 54.50% (अगस्त, 2024 महीने के दौरान % वृद्धि 0.13% है)

II. ओएसबीएल पैकेजेस की प्रगति:

i. 31 जुलाई, 2024 की स्थिति के अनुसार 70.70% की तुलना में 31 अगस्त 2024 को ओएसबीएल पैकेजों की समग्र प्रगति 71.90% है। ओएसबीएल पैकेजों जैसे पाइप रैक, प्लांट लाइटिंग का कार्य अक्टूबर 2024 के अंत तक पूरा हो जाने की संभावना है जबकि बॉयलर-I तथा रॉ वॉटर ट्रीटमेंट संयंत्र तथा डी मिनिरलाइजेशन संयंत्र का कार्य दिसंबर 2024 के अंत तक पूरा हो जाने की संभावना है।

III. पहचाने गए महत्त्वपूर्ण मुद्दे:

i. टीएफएल परियोजना की नियमित समीक्षा बैठक के दौरान, यह देखा गया है कि परियोजना की प्रगति को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दे इंजीनियरिंग मुद्दे, मैसर्स डब्ल्यूईसीएल द्वारा अपर्याप्त नकदी प्रवाह और एलएसटीके संविदाकारों द्वारा द्वारा जनशक्ति/श्रमिकों की अपर्याप्त तैनाती कोयला गैसीकरण और अमोनिया-यूरिया पैकेज में मैसर्स डब्ल्यूईसीएल, थे। मैसर्स डब्ल्यूईसीएल 2500 करोड़ रुपये के लागत मुआवजे का मुद्दा उठाता रहा है। उक्त मांग एलएसटीके करार के कार्यक्षेत्र से पूरी तरह बाहर है और इसकी सूचना मैसर्स डब्ल्यूईसीएल को दे दी गई है।

IV. लंबित मुद्दों का समाधान करने के लिए किए गए उपाय:-

i. सचिव (उर्वरक), उर्वरक विभाग की अध्यक्षता में दिनांक 01.08.2024 को डब्ल्यूईसीएल के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। उनके द्वारा उठाए गए मुद्दे अनुबंध समझौते के अनुसार पारस्परिक रूप से सहमत हर्जाने के तहत 2500 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि (एमएडी) और वीजा से संबंधित मुद्दों से संबंधित हैं। कई मुद्दों का समाधान हो जाने पर भी, मेसर्स डब्ल्यूईसीएल ने 2500 करोड़ रुपये की मुआवजा लागत के लिए अपना कठोर रुख बनाए रखा। डब्ल्यूईसीएल के अधिकारियों को डिजाइन, इंजीनियरिंग, शेष आदेशों का नियोजन, उपकरणों के प्रेषण और संरचनात्मक ढांचे को पूरा करने और सभी उपकरणों के स्थापन को कवर करते हुए एक व्यापक पूर्ण रोडमैप प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था। उनसे परियोजना निदेशक द्वारा स्थल का लंबे समय से प्रतीक्षित दौरा (चीनी प्राधिकारी द्वारा अभी तक स्वीकृति नहीं दी गई) का भी अनुरोध किया गया था ताकि मुद्दों का शीघ्र समाधान किया जा सके और परियोजना की प्रगति में तेजी लाई जा सके।

ii. 13 अगस्त, 2024 को मैसर्स डब्ल्यूईसीएल के निष्पादन में विफल रहने से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए गेल, आरसीएफ, सीआईएल और पीडीआईएल के सीएमडी के बीच

एक समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान, मैसर्स डब्ल्यूईसीएल द्वारा सौंपे गए कार्यों में प्रगति न होने की स्थिति में विभिन्न वैकल्पिक रणनीतियों का पता लगाया गया था। इन कार्यनीतियों में मैसर्स डब्ल्यूईसीएल को इष्टतम से कम कार्य निष्पादन के लिए नोटिस जारी करना, भारत के महासॉलिसिटर (एसजीआई) से कानूनी राय प्राप्त करना और शेष कार्य को पूरा कर पाने में सक्षम अन्य संभावित एजेंसियों के साथ कार्य करना शामिल है। 23.08.2024 को, मैसर्स डब्ल्यूईसीएल को उनके गैर-कार्य निष्पादन का हवाला देते हुए एक नोटिस दिया गया है।

iii. 27.08.2024 को आयोजित बैठक में, टीएफएल को सभी पहचाने गए महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान करने के लिए मैसर्स डब्ल्यूईसीएल के शीर्ष प्रबंधन के साथ जुड़ने का निर्देश दिया गया था।

5. व्यय की स्थिति:

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कुल उपलब्ध बजट अनुमान 2024-25 के 168130.81 करोड़ रुपये की तुलना में अगस्त 2024 के दौरान उर्वरक सब्सिडी के प्रशासन पर व्यय 17997.35 करोड़ रुपये (यूरिया: 12935.45 करोड़ रुपये, पीएंडके: 5055.48 करोड़ रुपये, स्थापना: 3.13 करोड़ रुपये, गोबरधन के लिए एमडीए: 0.99 करोड़ रुपये, डीबीटी 2.25 करोड़ रूपए और पूंजीगत व्यय 0.05 करोड़) था। अप्रैल 2024 से अगस्त, 2024 के दौरान प्रगतिशील व्यय 63239.36 करोड़ रुपये (यूरिया: 45396.97 करोड़ रुपये, पीएंडके: 17814.80 करोड़ रुपये, स्थापना: 18.88 करोड़ रुपये, डीबीटी: 4.32 करोड़ रुपये, पूंजीगत व्यय: 0.38 करोड़ रुपये और गोबरधन के लिए एमडीए: 4.01 करोड़ रुपये) अर्थात कुल आवंटन का लगभग 37.61% था।

****